दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 06 फरवरी 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 130

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर, पंजाब सहित देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, जम्मू समेत देश के कई इलाकों में शनिवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 9 बजकर 50 मिनट के करीब भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर 5.7 की तीव्रता मापी गई है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश में बताया जा रहा है। शनिवार सुबह दिल्ली-एनसीआर के नोएडा और जम्मू कश्मीर के सभी जिलों में सुबह के समय भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। झटके महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए। दिल्ली-एनसीआर में लोगों को करीब 15-20 सेकेंड तक धरती में कंपन महसूस हुई। वहीं, जम्मू-कश्मीर में भूकंप के काफी तेज झटके महसूस हुए। नोएडा में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। कश्मीर घाटी में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। फिलहाल, कहीं भी जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, आज सुबह 9:45 बजे अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 5.7 की तीव्रता का भूकंप आया।

देश में कोरोना के 1.27 लाख नये मामले, 1059 की मौत

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में शनिवार को कोरोना के 1,27,952 नये मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढक़र 4,20,80,664 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 13,31,648 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में कोरोना से 1,059 और लोगों की मौत के बाद संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढक़र 5,01,114 हो गई। देश में अभी 13,31,648 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 3.16 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,03,921 की कमी दर्ज की गई। देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 95.64 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 168.98 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

खाई में गिर वाहन, तीन की मौत

चमोली (आरएनएस)। चमोली जिले के घाट विकास खंड के रामणी गांव के तीन युवाओं की सडक़ दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना का पता ग्रामीणों को शनिवार को सुबह चला। घूनी-रामणी मोटर मार्ग पर शुक्रवार रात को मैक्स वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार तीन युवाओं की मौत हो गई। क्षेत्र में मौसम बेहद खराब था, जिससे रात को किसी को भी दुर्घटना का पता नहीं चल पाया। दुर्घटना की जानकारी शनिवार की सुबह पता चली। जिस स्थान पर दुर्घटना हुई है, वह जंगल का क्षेत्र है। रामणी गांव के ग्राम प्रधान सूरज पंवार ने बताया कि वाहन रामणी गांव से घूनी जा रहा था। शनिवार को सुबह जब रामणी गांव से एक वाहन घूनी गांव की ओर जा र?हा था तो वाहन में सवार लोगों ने खाई में गाड़ी गिरी देखी, जिसके बाद अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसकी सूचना राजस्व पुलिस को भी दी गई। दुर्घटना में प्रकाश सिंह (30) पुत्र कुंदन सिंह, देवेंद्र सिंह (33) पुत्र कैलाशी सिंह और तोता राम (40), सभी रामणी गांव निवासी की मृत्यु हो गई है। ग्रामीणों की मदद से तीनों मृतकों के शवों को रेस्क्यू कर सडक़ तक लाया गया।

स्पीड ब्रेकर पर अनियंत्रित होकर पलटी मारुति ईको, 5 लोगों की मौत

रामपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में शुक्रवार देर रात हुए भीषण सडक़ हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक यहां स्पीड ब्रेकर से अनियंत्रित कार ट्रक में जा घुसी। हादसे का शिकार हुई कार में ड्राइवर सहित 6 लोग सवार थे, जिसमें से 5 की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में ड्राइवर बुरी तरह घायल हो गया, जिसका इलाज जारी है। मुरादाबाद के जयंतीपुर मोहल्ला थाना मझोला निवासी पूरन दिवाकर (50) की बेटी गीता का रिश्ता उत्तराखंड के काशीपुर के निकट सुल्तानपुर पट्टी निवासी कन्हैया दिवाकर से तय हुआ था। शुक्रवार को पूरन दिवाकर की बेटी गीता की लगुन की रस्म होनी थी। इसके लिए पूरन दिवाकर अपने रिश्तेदारों और परिचितों के साथ सुल्तानपुर पट्टी गए थे। देर रात वहां से वापस लौटते समय रात करीब नौ बजे हादसा हो गया।

डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने भारत के प्रयास लगातार बढ़ रहे हैं : मोदी

0-प्रधानमंत्री ने आईसीआरआईएसएटी की 50वीं वर्षगांठ समारोह की शुरुआत की और दो अनुसंधान केंद्रों का उद्घाटन किया

हैदराबाद (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद के पाटनचेरु में इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स (आईसीआरआईएसएटी) परिसर का दौरा किया और आईसीआरआईएसएटी की 50वीं वर्षगांठ समारोह की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने पादप संरक्षण पर आईसीआरआईएसएटी के जलवायु परिवर्तन अनुसंधान केंद्र और आईसीआरआईएसएटी के रैपिड जनरेशन एडवांसमेंट केंद्र का भी उद्घाटन किया। ये दो सुविधाएं एशिया और उप-सहारा अफ्रीका के छोटे किसानों को समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने आईसीआरआईएसएटी के विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए लोगो का भी अनावरण किया और इस अवसर पर जारी एक स्मारक डाक टिकट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर तेलंगाना की राज्यपाल श्रीमती तमिलिसाई सुंदरराजन, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और जी. किशन रेड्डी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने बसंत पंचमी के पावन अवसर के बारे में चर्चा की और आईसीआरआईएसएटी को 50 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। देश और आईसीआरआईएसएटी दोनों के लिए अगले 25 वर्षों के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने नए लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के लिए काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने भारत सहित दुनिया के बड़े हिस्से में कृषि क्षेत्र की मदद करने में आईसीआरआईएसएटी के योगदान के लिए उसकी की सराहना की। उन्होंने पानी एवं मिट्टी के प्रबंधन, फसल की विविधता में सुधार, खेत की विविधता और पशुधन के बीच समन्वय कायम करने में उसके योगदान की सराहना की। उन्होंने किसानों को उनके बाजारों के साथ जोडऩे तथा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में दलहन एवं चना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उनके समग्र दृष्टिकोण की भी प्रशंसा की। मोदी ने कहा, आपकी रिसर्च, आपकी टेक्नोलॉजी ने मुश्किल परिस्थितियों में खेती को आसान और सस्टेनेबल बनाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित वे लोग हैं जो कम संसाधनों के साथ विकास के अंतिम पायदान पर हैं। इसीलिए, प्रधानमंत्री ने दुनिया से जलवायु परिवर्तन पर विशेष ध्यान देने के लिए भारत के अनुरोध को दोहराया। उन्होंने लाइफ-लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट; पी3 - प्रो प्लेनेट पीपल मूवमेंट और 2070 तक भारत नेट जीरो टारगेट के बारे में बताया। उन्होंने कहा, भारत ने क्लाइमेट चैलेंज से निपटने के लिए दुनिया से इस पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है। प्रो-प्लेनेट पीपल एक ऐसा मूवमेंट है जो क्लाइमेट चैलेंज से निपटने के लिए हर कम्युनिटी को, हर इंडिविजुअल को क्लाइमेट रिस्पांसिबिलिटी से जोड़ता है। ये सिर्फ बातों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत सरकार के एक्शन्स में भी रिफ्लेक्ट होता है। प्रधानमंत्री ने देश के 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों और 6 मौसमों की चर्चा करते हुए भारतीय कृषि के समृद्ध प्राचीन अनुभव पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारत का फोकस, अपने किसानों को जलवायु चुनौती से सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'मौलिकता को फिर से अपनाने' (बैक टू बेसिक) और 'भविष्य की ओर बढऩे' (मार्च टू फ्यूचर) के तालमेल पर है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारा ध्यान हमारे 80 प्रतिशत से अधिक किसानों पर है, जो छोटे किसानों की श्रेणी में आते हैं और जिन्हें हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है।

उन्होंने बदलते भारत के एक और आयाम यानी डिजिटल कृषि का उल्लेख किया, जिसे उन्होंने भारत का भविष्य बताया और इस बात पर जोर दिया कि प्रतिभाशाली भारतीय युवा इस क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। उन्होंने फसल मूल्यांकन, भूमि रिकॉर्ड डिजिटलीकरण, ड्रोन द्वारा कीटनाशकों और पोषक तत्वों का छिडक़ाव जैसे क्षेत्रों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि हम इन कार्यों में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग को देख रहे हैं। उन्होंने कहा, डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने के लिए भारत के प्रयास लगातार बढ़ रहे हैं।

बिजली टावर पर काम के दौरान गिरा टावर, 4 की मौत, 2 गंभीर

रायगढ़ (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया से लगे ग्राम सेन्द्रिपली में शनिवार की दोपहर करीब चार बजे टॉवर पर काम कर रहे मजदूरों के साथ हुए हादसे में 4 मजदूरों की मौत तथा2 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं ।

शनिवार की दोपहर यह घटना उस समय घटी जब वहां हजारों वोल्ट प्रवाहित टॉवर का काम छत्तीसगढ़ की निजी पावर कम्पनी करवा रही थी।सूत्रों के अनुसार अचानक कार्य करने के दौरान टॉवर गिर गया जिससे कुछ मजदूर लोहे के बड़े रॉड की चपेट में आ गए और घटना स्थल पर ही दो की मौत व दो लोगों की अस्पताल पहुंचते ही मृत्यु हो गई ।

इस घटना के सम्बंध में विद्युत विभाग के एक अधिकारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि इस घटना की जानकारी मिलने के बाद विभाग की तरफ से एक टीम वहाँ भेजी गई है और ये काम छत्तीसगढ़ विद्युत कम्पनी जो निजी ठेका का काम करती है उनके मजदूरों के साथ ये घटना घटी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार रायगढ़ रोड एनएच सेन्द्रिपाली के पास विधुत टावर में ठेकेदार के मजदूर काम करते टावर गिरने घायल मजदूरों को जिले के मेडिकल कॉलेज में भेज दिया गया है और मृतकों की जानकारी ली जा रही है।जिन मजदूरों के झुलसने की सूचना है उनके गोविंद भुइयां, गोविंद पंडित, सुरेश रविदास, ईश्वरी दुरि ,खेम लाल महतो, नेमचंद महतो उक्त सभी निवासी ग्राम गोविंद जिला हजारीबाग झारखंड के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं के लिए आठ मई को खुलेंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

नई टिहरी (आरएनएस)। बसंत पंचमी पावन मौके पर प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि पुरोहितों ने नरेन्द्रनगर राजमहल में घोषित की। आगामी आठ मई को प्रात: छह बजकर 15 मिनट पर बदरीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के खोल दिये जाऐंगे। साथ ही बदरीनाथ धाम में छह माह तक होने वाली पूजा के उपयोग में आने वाले तिलों के तेल को 22 अप्रैल को पिरोया जाऐगा।

शनिवार को बसंत पंचमी पर्व पर देश के चार धामों में सर्वश्रेष्ठ बदरीनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि नरेन्द्रनगर स्थित राजमहल में पुरोहित कृष्ण प्रसाद उनियाल ने वैदिक मंत्रोंच्चार और विधि-विधान से गणेश पूजन, पंचांग पूजन, चौकी पूजन के बाद महाराजा मनुजेंद्र शाह जन्म कुंडली का वर्षफल और नक्षत्रों की दशा देखकर घोषित की। पुरोहित ने बताया कि भगवान बदरीविशाल के महाभिषेक के लिए स्थानीय सुहागिन महिलाएं टिहरी सांसद महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह के नेतृत्व में आगामी 22 अप्रैल को राजदरबार में तिलों का तेल पिरोयेगी, जो छह माह तक बदरीनाथ धाम में भगवान बदरी की पूजा के उपयोग होगा। 22 अप्रैल को ही गाडू घड़ा (तेल कलश) यात्रा नरेन्द्रनगर राजमहल से डिमर पंचायत के लोगों के नेतृत्व में बदरीनाथ धाम के लिये रवाना होगी।

भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि निकलने के मौके पर राजमहल को फूल मालाओं से सजाया गया था। मौके पर बदरीनाथ धाम के रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी, राजेश नंबूदरी, बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, उपाध्यक्ष किशोर पंवार, सदस्य आशुतोष डिमरी, भास्कर डिमरी, श्रीनिवास पोस्ती, वीरेंद्र असवाल, राजपाल जड़धारी, मुख्य कार्याधिकारी बीडी सिंह, धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल, विशेष कार्याधिकारी राकेश सेमवाल, रमेश तिवारी, डॉ. हरीश गौड़, प्रमोद नौटियाल, डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद डिमरी, श्रीराम, विपुल डिमरी, अरुण डिमरी, राकेश डिमरी, सुरेश डिमरी, ज्योतिष डिमरी, गुंजन डिमरी, नगर निगम देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा, सीओ रविंद्र कुमार चमोली, थानाध्यक्ष प्रदीप पंत आदि मौजूद थे।

केवीआईसी ने नकली खादी उत्पाद बेचने पर मुंबई में खादी एम्पोरियम पर प्रतिबंध लगाया

नईदिल्ली (आरएनएस)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग केवीआईसी ने हाल के वर्षों में नकली/गैर-खादी उत्पादों की बिक्री के खिलाफ जीरो टॉलरेंस को अपनाया है। इसी क्रम में उसने अपने सबसे पुराने मुंबई खादी और ग्रामोद्योग संघ (एमकेवीआईए) का खादी प्रमाणन रद्द कर दिया है, जो 1954 से मुंबई में डॉ. डीएन सिंह रोड पर स्थित हेरिटेज बिल्डिंग मेट्रोपॉलिटन इंश्योरेंस हाउस में प्रतिष्ठित खादी एम्पोरियम चला रहा था।

केवीआईसी ने पाया कि डॉ. डीएन रोड पर स्थित उक्त खादी एम्पोरियम असली खादी की आड़ में गैर-खादी उत्पाद बेच रहा था। नियमित निरीक्षण के दौरान केवीआईसी के अधिकारियों ने एम्पोरियम से नमूने एकत्र किए जो गैर-खादी उत्पाद पाए गए। केवीआईसी ने आयोग द्वारा जारी खादी प्रमाणपत्र और खादी चिह्न प्रमाणपत्र के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए एमकेवीआईए को कानूनी नोटिस जारी किया। पंजीकरण रद्द करने के साथ खादी एम्पोरियम प्रामाणिक खादी आउटलेट नहीं रह जाता है और अब उसे एम्पोरियम से खादी उत्पादों को बेचने की अनुमति नहीं है। केवीआईसी ब्रांड खादी की विश्वसनीयता व लोकप्रियता का दुरुपयोग करके आपराधिक विश्वासघात व जनता को धोखा देने के लिए एमकेवीआईए के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर भी विचार कर रहा है।

केवीआईसी ने वर्ष 1954 में खादी एम्पोरियम का संचालन और प्रबंधन एक पंजीकृत खादी संस्थान एमकेवीआईए को इस सख्त शर्त पर सौंपा था कि वह एम्पोरियम से केवल प्रामाणिक खादी उत्पाद ही बेचेगा। हालांकि हाल के वर्षों में एमकेवीआईए नकली खादी उत्पाद बेचकर अनुचित व्यापार में लिप्त रहा और इस तरह लोगों को धोखा दिया गया जो इस धारणा के साथ आते थे कि यह एम्पोरियम केवीआईसी द्वारा चलाया जा रहा है।

यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि केवीआईसी ने पिछले कुछ वर्षों में अपने ब्रांड नाम खादी इंडिया के दुरुपयोग और अपने ट्रेडमार्क में उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। केवीआईसी ने अब तक खुदरा ब्रांड फैबइंडिया सहित 1200 से अधिक व्यक्तियों और फर्मों को खादी ब्रांड नाम का दुरुपयोग करने और खादी के नाम से गैर-खादी उत्पादों को बेचने के लिए कानूनी नोटिस जारी किए हैं। केवीआईसी ने फैबइंडिया से 500 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है, जो बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। पिछले साल केवीआईसी ने ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल्स अमेजॉन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील को 140 वेब लिंक्स हटाने के लिए मजबूर किया जो गैर-खादी उत्पादों को खादी के रूप में बेच रहे थे।

ऐसे कई मामलों में केवीआईसी ने उल्लंघन करने वालों को अदालतों में घसीटा और उन्हें खादी ब्रांड नाम का दुरुपयोग करने से रोकने के आदेश प्राप्त किए। इसके परिणाम स्वरूप कई उल्लंघन करने वालों ने माफी मांगी और भविष्य में ब्रांड नाम खादी का उपयोग नहीं करने का वचन दिया।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 2 आतंकी मारे गए

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ के 2 आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। बताते हैं कि मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान इखलाक हाजम के तौर पर हुई है वह हसनपोरा अनंतनाग में एचसी अली मोहम्मद की हालिया हत्या में शामिल था और इनके पास से 2 पिस्तौल सहित दूसरी आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद हुई हैं।

इससे पहले बुधवार को ही सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली थी, उस दौरान मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी मारा गया था आतंकी की पहचान उमर इश्फाक मलिक उर्फ मूसा के तौर पर की गई थी।

गौर हो कि जम्मू कश्मीर में आतंकियो के खिलाफ चल रहा अभियान तेजी से जारी है ,हाल ही में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में कहा था कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद अब तक 439 आतंकवादी ढेर किए जा चुके हैं।

गौर हो कि पुलिस के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर शब्बीर अहमद पर हुए हमले में लिप्त हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी मूसा को सुरक्षाबलों ने बुधवार को एक मुठभेड़ में मार गिराया था पुलिस ने उसके एक ओवरग्राउंड वर्कर को भी गिरफ्तार किया था वहीं उसके अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चला रखा है।

केंद्र का वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट मिशन विशाल तकनीकी को बढ़ावा देता है

नईदिल्ली (आरएनएस)। वेस्ट जयंतिया हिल्स आज पेलोड डिलीवरी (भार को पहुंचाने) के लिए अनोखा और अभिनव ड्रोन/यूएवी तकनीकी के उपयोग को प्रदर्शित करने वाला अपनी तरह की पहली उड़ान भरने का साक्षी बना, जो भीतरी इलाकों से लाकडोंग हल्दी किसानों के लिए संपर्क मुद्दों को हल करने के एक मॉडल के रूप में काम कर सकता है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल के अधीन वेस्ट जयंतिया हिल्स के लिए विकास और निर्यात की उत्कृष्ट क्षमता वाले उत्पाद के रूप में लाकडोंग हल्दी की पहचान की गई है।

ओडीओपी ने भारतीय नवीन तकनीकी की पहचान करने के लिए प्रधानमंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद के तहत नौ प्रौद्योगिकी मिशनों में से एक अग्नि मिशन के साथ भागीदारी की, जो बड़ी मात्रा में हल्दी के परिवहन के लिए पेलोड ड्रोन (यूएवी) का लाभ उठाकर लाकडोंग हल्दी के संपूर्ण प्रसंस्करण में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है।

सभा को संबोधित करते हुए डीपीआईआईटी की अतिरिक्त सचिव सुश्री सुमिता डावरा ने कहा कि यह आयोजन उन नवोन्मेषी समाधानों को प्रदर्शित करने की दिशा में पहला कदम है जो औद्योगिक क्रांति 4.0 की शुरुआत करते हुए संपर्कों (फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी) को बढ़ावा दे सकते हैं।

यह ध्यान दिया जा सकता है कि मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स की लाकडोंग हल्दी दुनिया की बेहतरीन हल्दी किस्मों में से एक है, जिसमें सबसे अधिक करक्यूमिन सामग्री 7-9 प्रतिशत (अन्य किस्मों में 3 प्रतिशत या उससे कम की तुलना में) है, जो जिले की अर्थव्यवस्था में तेजी से गेम चेंजर बनता जा रहा है। मेघालय राज्य ने लाकडोंग हल्दी के लिए जीआई टैग के लिए आवेदन कर दिया है।

हल्दी में करक्यूमिन और ओलियोरेसिन की मात्रा का प्रतिशत उद्योग द्वारा कीमत के साथ-साथ मांग को निर्धारित करता है। भारत हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है (एपीईडीए 2019)। भारत ने 2018 में 236.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की हल्दी का निर्यात किया, जो 2017 में 182.53 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। हल्दी एक वास्तविक फसल है, यह स्वास्थ्य में सुधार करता है और पानी की खपत नहीं करता है।

इस तथ्य पर प्रकाश डालते हुए कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हल्दी उत्पादक और निर्यातक होने के बावजूद, हल्दी का आयात भी बढ़ रहा है, अतिरिक्त सचिव ने कहा कि प्रमुख आयातक निष्कर्षण और प्रसंस्करण उद्योग थे जिन्हें उच्च करक्यूमिन और ओलियो राल की आवश्यकता होती है। उच्चतम करक्यूमिन सामग्री और घरेलू बिक्री और निर्यात के लिए उत्कृष्ट क्षमता के बावजूद लाकडोंग हल्दी को स्थान स्थलाकृति और इलाके की दूरस्थता के कारण बाजार तक पहुंच के गंभीर मुद्दों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में खरीदारों को स्थानीय पिकअप ट्रकों के माध्यम से प्रमुख ट्रांसपोर्टरों के लोडिंग पॉइंट तक गांवों से माल परिवहन के लिए अतिरिक्त लागत उठाना पड़ता है। परिवहन की अतिरिक्त लागत और समान कार्य में देरी से खरीदार को खरीद की प्रक्रिया में बाधा/हतोत्साहन होता है।

सुश्री डावरा ने कहा कि उड़ान भरने का कार्यक्रम न केवल ओडीओपी पहल को बढ़ावा देगा बल्कि परिवहन की अड़चन को दूर करने के लिए मौलिक समाधान के रूप में आधुनिक तकनीक का लाभ उठाएगा जो मेघालय से इस असाधारण मसाले की सर्वोत्तम क्षमता को साकार करने में बाधा के रूप में काम करता था। पिछले साल अप्रैल में अपने आदेश के अनुरूप ओडीओपी टीम ने 2021 में केरल के एर्नाकुलम में एक बड़े खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 13,136 किलोग्राम कटी हुई और सूखी लाकडोंग हल्दी के व्यापार को सफलतापूर्वक सुगम बनाया।